گئی تھی لیکن کس لمحے سے اسکا دوپاپار یکن کیا گیا ہے - اس دھمکی سے فائدہ اٹھانے کے سلسلہ میں کہ ایک اخبار نے اندر ایک فلم کا جس طرح سے ایک ایڈورٹائزمنٹ پر کاشت کیا گیا ہے - وہ بہت ہی آپتی جنک ہے اور منیشیا کو ٹیرالاجو کہ ایک بہت ہی پرسدھ ایکٹری ہیں - انکے مرجانے کی خبر سے پورے دیش کے اندر ایک سینسیشنل پھیل - اور میرا کہنا یہ ہے کہ میں کسی پبلسٹی نہیں دے رہا ہوں کورٹ نے بھی اس کی طرف توجہ دی ہے - میں کہنا چاہونگا کہ آج ہمارے جو فلم نرماتا ہیں - جو مشری بیوکریسی انہیں انکی سماجک ذمہ داری کو سمجھانا چاہیئے - آج جس پرکار سے ایڈورٹائزمنٹ کئے جاتے ہیں - اسکے کارن دیش میں کوئی بھی درگھٹنا ہو سکتی ہے - آج سماج کو ایک نیتو کی ضرورت ہے - میں سمجھتا ہوں کہ کلاکار اور فلم کی سنسکرتی سماج کو ایک اچھا نیتر تو دے سکتے ہیں - اس بارے میں سدن کے مادھیم سے اپیل کرنا چاہونگا کہ ان طاقتوں کے خلاف جو راجنیہ سرکاریں ہیں - انہیں جو ایکشن لینا ہے - وہ تو لینگی ہی - لیکن خود ہی فلم کے نرماتاؤں کو اور مشری بیوکریسی کو اپنی آچار سنہتا کو بنانا چاہیئے - اور انکی ایڈورٹائزمنٹ کی وجہ سے دیش میں کوئی ایسی درگھٹنا نہ ہو جائے - اسکی طرف انہیں خود ہی دھیان دینا چاہیئے - میں سمجھتا ہوں کہ بدی سنیم سے کام لیا جائے تبھی اس دیش کو ہم سب ملکر بچا سکتے ہیں - اور آج جو ھنسا کی پرورتی پیدا ہو رہی ہے - جس کی وجہ سے ہمارا سماجک استر گر رہا ہے - اسکو روکنے کی آوشیکتا ہے اس کے لئے ہمیں خود ہی اپنے دل میں جھانک کر اور صحیح آچار سنہتا کو بنا کر فلم کے نرماتاؤں کو آگے بڑھنا چاہیئے -[*]

**प्रो॰ विजय कुमार मल्होत्रा** (दिल्ली): महोदया मैं इसमें असोसिएट करना चाहता हूं। यह बहुत ही महवपूर्ण विषय है।

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI S.B. CHAVAN): Madam, the issue which was raised by my esteemed friend was also brought to may notice. I propose to write to both the State Governments to provide them security so that they should not face any kind of danger to their lives.

---

## RE: EXPLOSIVE SITUATION IN VARANASI

**श्री सत्य प्रकाश मालवीय** (उत्तर प्रदेश): महोदया, उत्तर प्रदेश में एक शहर है, बनारस। उसको काशी भी कहा जाता है। वहां एक काशी विश्वनाथ गली है। काशी विश्वनाथ गली बहुत पतली गली है लेकिन वहां पर एक धार्मिक स्थल है और वह धार्मिक स्थल जो हमारे साम्प्रदायिक सद्भाव का प्रतीक है, उसमें एक धार्मिक स्थल को कहा जाता है, काशी विश्वनाथ मंदिर। यह मंदिर हिन्दू धर्म का प्रतीक है और दूसरा धार्मिक स्थल है, ज्ञानव्यापी मस्जिद, जो इस्लाम धर्म से संबंधित है।

**प्रो॰ विजय कुमार मल्होत्रा:** मंदिर तोड़कर बनाया गया है...(**व्यवधान**)

**श्री सत्य प्रकाश मालवीय:** आप सुन लीजिए, हमने तो आपका नाम लिया ही नहीं। यह तो

[*]Transliteration in Arabic Script.

चोर की दाढ़ी में तिनका वाली कहावत हो गयी।....(**व्यवधान**)

**उपसभापतिः** मल्होत्रा जी, आप जरा सुन लीजिए ....(**व्यवधान**)

**प्रो॰ विजय कुमार मल्होत्राः** गलत मत बनाइए। धार्मिक सौहार्द का प्रतीक वह कैसे हो सकता है। मंदिर तोड़कर बनाया गया है।....(**व्यवधान**)

**उपसभापतिः** मल्होत्रा जी, थोड़ा संयम से बैठिए। इस हाऊस में सब मैंबर अपनी-अपनी बात उठाते हैं। आप भी अपनी बात उठाते है, वह भी अपनी बात उठाते हैं। अभी वह बोल रहे हैं, उनको जो भी मालूमात है, वह कह रहे हैं। उनको कहने दीजिए यह डैमोक्रेसी है, अगर अभी वह समझते हैं तो आप उनको कैसे मना कर सकते हैं?

**श्री जनेश्वर मिश्र** (उत्तर प्रदेश)**:** मैडम, मेरा एक प्वाइंट ऑफ ऑर्डर है।

**उपसभापतिः** अभी आपका नाम इसमें है, तब बोलिएगा।

**श्री जनेश्वर मिश्रः** महोदया, प्वाइंट आफ ऑर्डर है। अभी मालवीय जी ने एक शब्द का इस्तेमाल किया। मालवीय जी ने मल्होत्रा जी की तरफ देखकर कहा कि "चोर की दाढ़ी में तिनका" क्या किसी के लिए चोर शब्द कहा जाए, यह सही है कि गलत है।

**उपसभापतिः** गलत है, पर उन्होंने नहीं कहा है।

**श्री सत्य प्रकाश मालवीयः** मैंने किसी के लिए नहीं कहा है। तो मैं निवेदन कर रहा था कि जो इस्लाम धर्म से संबंधित वहां पर ढांचा है, इसका नाम ज्ञानव्यापी मस्जिद है और कहा जाता है कि वहां पर एक कुंआ भी है और जो वहां पर जाता है, उसके ज्ञान में वृद्धि होती है। लेकिन बनारस में कुछ लोग वहां इकट्ठे हो गये, आज भी वहां पर इकट्ठे हैं और वहां पर भड़काऊ नारा लगा रहे हैं, साम्प्रदायिक नारा लगा रहे हैं और साम्प्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ने की कोशिश की गयी है। वहां पर यह नारा लगाया, ज्यादातर लोगों ने यह नारा लगाया, जो साम्प्रदायिक संगठनों से जुड़े हुए थे कि काशी की मस्जिद और मुथरा मस्जिद अपनी जगह बरकरार नहीं रह पाएगी। 6 दिसम्बर 1992 की दुर्घटना को अभी हम भुगत चुके हैं और उस समय अयोध्या का जो राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद का ढांचा था, वह ध्वस्त हो गया। एक के बाद एक गुंबद गिरते रहे और केन्द्र सरकार मूक दर्शक बनी रही। इसलिए मेरा केन्द्र सरकार से है, गृह मंत्री जी वहां बैठे हैं, मेरा उनसे निवेदन है कि वाराणसी की स्थिति बहुत विस्फोटक है। जो ज्ञानव्यापी मस्जिद वहां पर है, उसकी सुरक्षा का पूरा इंतजाम होना चाहिए और मैं चाहूंगा कि गृह मंत्री जी यहां पर मौजूद हैं, वह अपनी राय भी व्यक्त कर चुके है, वह इस पर अपनी प्रतिक्रिया दें।

**सैयद सिब्ते रज़ी** (उत्तर प्रदेश)**:** मैडम् मैं इसको एसोशिएट करना चाहूंगा क्योंकि यह हमारे उत्तर प्रदेश का मामला है।

†[सैयद सिब्ते रज़ी: मैडम - मैं इसको एसोशिएट करना चाहूंगा - क्योंकि यह हमारे उत्तर प्रदेश का मामला है]

**श्री जनेश्वर मिश्रः** (उत्तर प्रदेश)**:** श्री सत्य प्रकाश मालवीय जी ने जो मुद्दा उठाया है— काशी विश्वनाथ मंदिर और ज्ञानवापी मस्जिद का, उस मुद्दे से अपने जो जोड़ते हुए मैं यह कहना चाहता हूं कि ....(**व्यवधान**)

**एक सम्मानित सदस्यः** एसोशिएट तो संक्षेप में करना चाहिए।

**उपसभापतिः** उन्होंने अलग से नाम दिया है। सब्जेक्ट वही है, पर उन्होंने सेपेट नाम दिया है।

**श्री जनेश्वर मिश्रः** मैडम, उस मुद्दे से अपने को जोड़ते हुए मैं यह निवेदन कहना चाहता हूं कि पिछले डेढ़ महीने में हिन्दु-मुस्लिम तनाव पैदा करने की कोशिश की जा रही है। कई जगहों पर जिस तरह के अन्याय हुए हैं, यह बनारस में ही नहीं बनारस में तो पहले बम फटा, उसके बाद आजकल जालभिषेक का नाटक चल रहा हैं। यह भूमिकाएं रिहर्सल है, मैडम, जो बाद में तनाव पैदा किया करती हैं और सारे देश में इसका तनाव जाता है। इलाहाबाद का फूलपुर कस्बा जहां से श्री जवाहर लाल नेहरू किसी जमाने में प्रतिनिधि चुने जाते थे, वह बड़ा हसीन कस्बा है और हम भी एक बार वहां से पार्लियामेंट के मेंबर चुने गए थे। वहां कभी भी हिन्दु-मुसलमानों का दंगा नहीं होता था।

**उपसभापतिः** आप संक्षेप में तीन मिनट में बोलिएगा।

**श्री जनेश्वर मिश्रः** प्रतापगढ़ के कुंडा तहसील में दिलेरगंज एक गांव है जहां पर नई सत्ता आने के बाद से अल्पसंख्यक समुदाय की चार लड़कियों को नंगा करके उनमें से दो का तो पैर बिल्कुल चीर दिया गया। मैडम, इतनी शर्मनाक बातें होती जा रही हैं....(**व्यवधान**)

**श्री संघ प्रिय गौतमः** मैडम, यह विषय के बाहर है...(**व्यवधान**) आपने विषय दूसरा दिया। आपने ज्ञानवापी मस्जिद की बात कही। हमें भी टाईम दीजिए, फिर हम भी बोलेंगे।

**श्री दिग्विजय सिंह** (बिहार)**:** इसमें क्या आपत्ति है।

†[]Transliteration in Arabic Script.

**प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा:** इस पर पूरे एक घंटे की बहस होनी चाहिए...(**व्यवधान**) वहां पर साम्प्रदायिक जहर फैल रहा है और वहां इस तरह के भाषण दिए जा रहे हैं...(**व्यवधान**)

**उपसभापति:** आप चेयरमैन साहब को जरूर लिखकर दीजिएं, मैं भी बोलूंगी। बहस कीजिए अच्छी बात है। बहस हो तो उसके अंदर हल भी निकल आते हैं। जरूर...कीजिए (**व्यवधान**) नहीं, उन्होंने अलग मांगा था।

**प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा:** जब हम एसोशिएट करते हैं तो आप कहती हैं कि एक मिनट में एसोशिएट करिए। यहां पूरा भाषण होता है।

**उपसभापति:** मल्होत्रा जी, आपने बार-बार प्रथा डाल ली है कि आप खड़े होकर चेयर के ऊपर कुछ न कुछ हस्तक्षेप करें। मैंने अभी एनाउंस किया कि उन्होंने अलग से अपना नाम इस सब्जेक्ट पर मांगा था। उनका सब्जेक्ट अलग है, मिलता-जुलता है। एक्सप्लोसिव सिचुएशन लिखा है। एक्सप्लोसिव सिचुएशन के अंदर उन्होंने अलग बात कही है, यह अलग बात कर रहे हैं। इसलिए कोई एसोशिएशन नहीं है। सिब्ते रज़ी साहब ने एसोशिएट किया । सिर्फ एक बात कहकर बैठ गए। मैं अपनी जिमेदारी संभालती हूं जब मैं इस चेयर पर बैठती हूं। मैं किसी के साथ न ज्यादती करना चाहती, न किसी के साथ एक्स्ट्रा हमदर्दी करना चाहती हूं। मैं कोशिश करती हूं जितना हो सके ज्यादा से ज्यादा मेंबर अपनी बात करें। मेरा उनकी बात से अगर ताल्लुक भी हो तो भी वह आपको नजर नहीं आएगा। मिश्र जी, जल्दी बोल दीजिए।

**श्री जनेश्वर मिश्र:** अभी इन लोगों ने जो हल्ला किया वह हमारे समय में न जोड़ें।

**श्री के० आर० मलकानी** (दिल्ली): क्या इनको तीन मिनट नहीं हुए?

**उपसभापति:** आप बैठिए।

**श्री जनेश्वर मिश्र:** मैडम्, उत्तर प्रदेश में अल्पसंख्यक समुदाय के जो सार्वजनिक कार्यकर्ता हैं, राजनीतिक कार्यकर्ता हैं उन सभी के घरों पर बम फेंके गए हैं। आजमखांन, मुख्तार अनीस किसी को धमकी दी जाती है, किसी पर बम फैंके जाते हैं। एक अजीब किस्म का वातावरण है और यह वातावरण केवल इसलिए है मैडम्, कि उत्तर प्रदेश में साम्प्रदायिक शक्तियों के हाथ की कठपुतली एक सरकार इस समय काम कर रही है और इसलिए लोगों की हिम्मत बढ़ रही है और यह हिम्मत केवल उत्तर प्रदेश में नहीं है। ...(**व्यवधान**)

**श्री के० आर० मलकानी:** इस हाऊस के अंदर ऐसी बातों पर हमको सख्त ऐतराज है। जो उन्होंने उठाया है सारे प्रांत में, मुलायम सिंह दोषी है, दुष्ट है, उनका यह साथी है, उनकी वकालत की जाती है यहां पर...(**व्यवधान**)

**श्री एस० एस० अहलुवालिया** (बिहार): इस तरह से रोकने की क्या बात है, उनको बोलने दीजिए।

**श्री जनेश्वर मिश्र:** मैं अपने मित्रों से क्षमा चाहूंगा कि उनके लिए कोई बात नहीं बोल रहा हूं और न कभी बोलूंगा। देश भर में इतनी कड़वाहट फैलाने की कोशिश हो रही है, अमरनाथ यात्रियों को कहीं से एक धमकी मिली थी। उसके बदले बम्बई से जवाब दिया गया कि अगर कोई हज यात्री जाएगा तो उसका जहाज डुबो दिया जाएगा, मार दिया जाएगा। यह साम्प्रदायिक मिजाज के लोग पहलगाम जाकर के मुकाबला नहीं कर सकते।

**प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा:** अमरनाथ यात्रियों के साथ हुआ तो उसका रिएक्शन होगा।...(**व्यवधान**)

**श्री जनेश्वर मिश्र:** मैं खुद चाहता हूं कि अमरनाथ यात्रियों के साथ कुछ न होने पाए मैडम्।...(**व्यवधान**)

**उपसभापति:** आप संक्षेप में बोल दीजिए।

**श्री कैलाश नारायण सारंग** (मध्य प्रदेश): आप अमरनाथ यात्रा को बंद करा दीजिए।...(**व्यवधान**)

**श्री जनेश्वर मिश्र:** मैं अमरनाथ यात्रा निर्विघ्न सम्पन्न होने का हामी हूं। अगर इस पर कोई धमकी देता है पाकिस्तान से तथा उस पर बम्बई से धमकी दी जाए तो मैं इसकी निंदा करना चाहता हूं।...(**व्यवधान**)

**उपसभापति:** आप संक्षेप में कर दीजिए।...(**व्यवधान**)

**श्री जनेश्वर मिश्र:** इस पहलगाम की धमकी या जम्मू की धमकी का बम्बई से जवाब दिया जाए या...(**व्यवधान**) मैं चाहूंगा कि गृह मंत्री जी से इस तरह की * की जो हरकतें इस देश में हो रही हैं उनके साथ कोई सख्त कदम उठाने के लिए एलान करें तथा इस पर प्रतिक्रिया दें कि बनारस में जो कुछ भी वाक्या हो रहा है, वहां ज्ञानवापी मस्जिद को कोई नुकसान नहीं होने दिया जाएगा और जिन लोगों ने हज यात्रियों के जहाज को डुबोने की धमकी दी है उनके खिलाफ आप क्या कार्रवाई करना चाहते हैं?

THE DEPUTY CHARIMAN: The word * will not go on record.

**श्री सत्य प्रकाश मालवीय:** मैडम्, मेरा अनुरोध है कि ज्ञानव्यापी मस्जिद के मामले में कुछ कहने के लिए माननीय गृह मंत्री जी खड़े हो रहे थे।

*Expunged as ordered by the Chair.

उपसभापति: वह खड़े नहीं हो रहे थे।

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY (Andhra Pradesh):I would appeal to the hon. Members of this House. We are all concerned with the safety of every Indian. So, let us be concerned with the steps that we take to see that people reach their places of pilgrimage in peace and harmony. And let us not trade threats on the floor of this House. We are only endorsing extreme views of everybody when we take cognizance of it on the floor of this House. I would request the Home Minister—I am sure that they are seized of the matter—to see that every precaution is taken to ensure that the pilgrims reach their places of worship in safety.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Absolutely correct. This temple of democracy should not send the message to anybody in this country that any people in this country are unsafe if they want to go to their places of pilgrimage, whether they are going to a temple or a mandir or a masjid or a Gurudwara.

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI S.B.CHAVAN): Madam, I quite appreciate the sentiments expressed by hon. Members that a message should go from this House that we are interested in communal harmony and amity rather than blaming each other. I have fixed a meeting of the Standing Committee of the National Integration Council this afternoon where I am going to consult all the hon. Members. But I have also made my position absolutely clear that the Amar Nath Yatra will be given full protection and they should be able to reach their place of destination without any fear.So also, no one can stop those pilgrims who would like to go for Haj. If anybody were to attempt, action would be taken against him.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Two wrongs can never make one right.

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY: They never learn their mathematics.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Whenever there is a wrong, it should be corrected.

SHRI M.A. BABY (Kerala): I as well pray to the Almighty for the safety of all pilgrims. *(Interruptions)*.

---

## RE. URGENT NEED TO STOP DEBT COLLECTION IN BIHAR

श्री जनार्दन यादव (बिहार): महोदया, मैं आपके माध्यम से इस सदन और सरकार का ध्यान किसानों के समस्याओं की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। आज बिहार में खेती का काम शुरू है। एक तरफ किसान खेती के लिए सरकार से कर्ज, बीज और खाद के लिए मांग रहे हैं और उनको नहीं मिल रहा है, वहीं दूसरी तरफ जिन किसानों ने बैंकों के माध्यम से कर्ज लिया है, वह वसूल किया जा रहा है। कर्ज देना चाहिए था लेकिन उसके बदले आज किसानों से कर्ज वसूल किया जा रहा है और जो किसान कर्ज नहीं दे पा रहा है उसको पकड़ पकड़ कर जेल में बंद किया जा रहा है, उसके सामना की कुर्की हो रही है। मैं सरकार का ध्यान इस बात की ओर आकर्षित करना चाहता हूं कि 10 हजार रुपये तक